लूका ईसोपदेश 22 : 50 - 51

यीशु जानते थे कि वे शीघ्र ही मृत्यु को प्राप्त होंगे, उन्होंने अपना अंतिम भोजन मित्रों के साथ किया, और फिर समीप के बगीचे में प्रार्थना करने के लिए गए। जबकि वे प्रार्थना कर रहे थे लोगों का जत्था उन्हें गिरफ़्तार करने पहुंचा। यीशु को गिरफ़्तार करने का प्रयास कर रहे एक व्यक्ति का दायाँ कान अपनी तलवार से काट दिया। यीशु ने तुरंत पतरस से अपनी तलवार को दूर रखने के लिए कहा। फिर यीशु ने उस व्यक्ति के कान को छुआ और उसे ठीक कर दिया।

यीशु तब तक लोगों को उपचारित करते रहे जब तक वह गिरफ्तार नहीं कर लिए गए। वह उपचारित करना रोक नहीं पा रहे थे। उनका हृदय हर उस व्यक्ति पर विचलित हो जाता था जिसे कभी उन्होंने बीमार देखा था। आज भी वही यीशु का हृदय बीमार व्यक्तियों के लिए करुणा से भर जाता है। उनका हृदय चाहता है कि वह अच्छे हो जाएं। यीशु से ज्यादा कोई भी एक मरते हुए बच्चे का शोक नहीं करता। हमारी दुनिया ने यीशु के प्रेम के उपचार को पुनः खोजना बस आरंभ ही किया है।

यीशु, कृपया अपने प्रेम के उपचार में मेरे विश्वास को बढ़ाएँ।